सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 224 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 20 सितम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

यदि कोई एक व्यक्ति भी ऐसा रह गया जिसे किसी रूप में अछूत कहा जाए तो भारत को अपना सिर शर्म से झुकाना पड़ेगा।

-लालबहादुर शास्त्री

अश्विन-जडेजा के बाद गेंदबाजों ने... 7 | घोषणा पत्रों से खुलेगी सियासी... 3 | भाजपा सरकार हर बात छिपाना... 2

हरियाणा में जाटों के जाल में उलझी भाजपा

गैर-जाट बिरादरियों पर फोकस कर रही बीजेपी

किसानों की नाराजगी भी सत्ताधारी दल को पड़ेगी भारी

» प्रदेश की सियासत में जाटों का रहा है दबदबा

» कांग्रेस ने जाटों के प्रतिनिधित्व पर दिया जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। विधानसभा चुनावों को लेकर हरियाणा में सियासी पारा चढ़ा हुआ है। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपने-अपने चुनावी घोषणापत्र जारी कर दिए हैं। दोनों की ओर से वादों का पिटारा खोला गया है और जनता को रिझाने का कोई मौका नहीं छोड़ा गया है। अब जनता किसके वादों पर विश्वास करती है ये तो वो 5 अक्टूबर को मतदान के दिन बताएगी और इसका पता 8 अक्टूबर को परिणाम के दिन ही चल पाएगा।

लेकिन इससे पहले दोनों ही दल अपनी-अपनी तैयारियों में जुटे हैं। प्रमुख राजनीतिक दलों ने अपने टिकट वितरण में रणनीतिक कदम उठाए हैं। जो उनकी जाति-आधारित प्राथमिकताओं को दिखाता है। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपने उम्मीदवारों का चयन काफी सोच-समझकर किया है। जिससे कई जातियों को अपने पाले में लाया जा सकेगा।

हरियाणा में गैर-जाट राजनीति पर ध्यान केंद्रित करने के लिए जानी जाने वाली भाजपा ने जाट समुदाय को 15 टिकट दिए हैं, जो कुल 90 सीटों का 17 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं। पिछले सालों की तुलना में यह कम है। साल 2019 विधानसभा चुनाव की बात करें तो बीजेपी ने 19 जाट उम्मीदवारों मैदान में उतारा था, जबकि 2014 में 24 जाट समुदाय के सदस्यों को टिकट दिया था।

हरियाणा में करीब 27 प्रतिशत आबादी जाट समुदाय की

हरियाणा में जाट समुदाय की लगभग 27 प्रतिशत आबादी है। इसीलिए प्रदेश में जाट नेताओं ने राजनीतिक परिदृश्य पर अपना दबदबा बनाए रखा। बंसी लाल, देवी लाल, ओम प्रकाश चौटाला और भूपिंदर सिंह हुड्डा जैसे जाट नेताओं ने प्रदेश में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान पहले लोक दल, फिर इंडियन नेशनल लोक दल (आईएनएलडी) और कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व बड़े पैमाने पर जाट नेताओं द्वारा किया गया। दोनों दलों ने अन्य समुदायों के साथ गठबंधन बनाने की कोशिश की, जिसमें कांग्रेस ने एससी के साथ गठबंधन बनाने में सफलता प्राप्त की, विशेष रूप से जाटव समुदाय, जो एससी के बीच एक प्रमुख जाति है। एससी राज्य की आबादी का लगभग 21 प्रतिशत हिस्सा है।

बीजेपी ने उच्च जाति को साधने का किया प्रयास

ओबीसी और उच्च जाति समूहों पर भाजपा का जोर उनके टिकट आवंटन में स्पष्ट है। पार्टी ने ब्राह्मणों और पंजाबी खत्रियों को 11-11 टिकट दिए हैं, जो राज्य की आबादी का क्रमशः लगभग 8 और 9 प्रतिशत हिस्सा हैं। यह दृष्टिकोण ब्राह्मणों और पंजाबी खत्रियों दोनों के लिए कुल सीटों का 24 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करता है। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने हरियाणा में ओबीसी समुदाय पर खासा ध्यान केंद्रित किया है, जो कि कुल आबादी का 40 प्रतिशत है।

कांग्रेस ने जाटों को दिए 28 टिकट

इसके विपरीत, कांग्रेस ने जाटों के प्रतिनिधित्व पर अधिक जोर दिया। कांग्रेस ने इस बार के हरियाणा विधानसभा चुनाव में जाटों को 28 टिकट दिए हैं, जो कुल सीटों का लगभग 31 प्रतिशत है। जो राज्य के आबादी के लगभग 27 प्रतिशत हैं। ऐसे में कहा जा रहा है कि जाट समुदाय को नजरअंदाज करना या कम सीटें देना बीजेपी के कहीं भारी न पड़ जाए। रोहतक, सोनीपत और हिसार जैसे जाट-बहुल संसदीय क्षेत्रों में भाजपा की सफलता के बावजूद, इस बार जाटों के टिकट कम करने का उनका फैसला किसान आंदोलनों के कारण होने वाले विरोध से प्रभावित हो सकता है। चूंकि जाट समुदाय में बहुत से ज़मीन के मालिक और किसान शामिल हैं, इसलिए भाजपा इस समुदाय को और अलग-थलग करने से बचना चाहती है। इसके बजाय, पार्टी अपने टिकट वितरण में 'उच्च' जाति और ओबीसी उम्मीदवारों पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

बीजेपी से ओबीसी के बड़े नेता नाराज

हालांकि, टिकट वितरण से कई प्रमुख ओबीसी नेताओं को बाहर रखने से असंतोष पैदा हुआ है। 2019 के विधानसभा चुनाव में रादौर में कांग्रेस के बिशन लाल सैनी से हारने वाले भाजपा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष करण देव कंबोज को इस बार टिकट नहीं दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और कांग्रेस में शामिल हो गए। यह कदम बड़े ओबीसी समुदायों को प्राथमिकता देने की भाजपा की मौजूदा रणनीति को रेखांकित करता है, जैसा कि कंबोज समुदाय को केवल एक टिकट आवंटित करने से स्पष्ट होता है, जबकि कांग्रेस ने कंबोज को दो टिकट दिए हैं।

पीएम मोदी ने किया 82 साल के वरिष्ठ नेता का अपमान: प्रियंका

» प्रधानमंत्री द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के पत्र का जवाब खुद न देने पर भड़कीं पार्टी महासचिव

» लोकतंत्र की परंपरा संवाद करने की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा नेताओं और मंत्रियों के विवादास्पद बयानों के बाद शुरू हुई सियासी गहमागहमी आए दिन बढ़ती जा रही है। अब इस पूरे घटनाक्रम में कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की भी एंट्री हो गई है।

प्रियंका गांधी ने मल्लिकार्जुन खरगे की चिट्ठी का जवाब नहीं दिए जाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरते हुए उनकी आलोचना की है।

बोलीं- पीएम को नहीं लोकतांत्रिक मूल्यों की कदर

प्रियंका ने पीएम पर वरिष्ठ नेता का अपमान करने का आरोप लगाया है। दरअसल, पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिख राहुल गांधी के खिलाफ की जा रहीं विवादित टिप्पणियों पर नाराजगी जताई थी। उसके बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने खरगे को पत्र लिख पलटवार किया था। इसी को लेकर अब प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी को घेरा है।

आज की राजनीति में घुल चुका है जहर

कांग्रेस नेत्री ने आगे कहा कि लोकतंत्र की परंपरा और संस्कृति, सवाल पूछने और संवाद करने की होती है। धर्म में भी गरिमा और शिष्टाचार जैसे मूल्यों से ऊपर कोई नहीं होता। आज की राजनीति में बहुत जहर घुल चुका है। प्रधानमंत्री को अपने पद की गरिमा रखते हुए, सचमुच एक अलग मिसाल रखनी चाहिए थी। अपने एक वरिष्ठ सहकर्मी राजनेता के पत्र का आदरपूर्वक जवाब दे देते तो जनता की नजर में उन्हीं की छवि और गरिमा बढ़ती। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह अफसोस की बात है कि सरकार के ऊंचे से ऊंचे पदों पर आसीन हमारे नेताओं ने इन महान परंपराओं को नकार दिया है।

पीएम की आस्था बुजुर्गों के सम्मान में नहीं

प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कुछेक भाजपा नेताओं और मंत्रियों की अनर्गल तथा हिंसक बयानबाजी के मद्देनजर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के जीवन की सुरक्षा के लिए चिंतित होकर कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को एक पत्र लिखा था। प्रियंका ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री की आस्था अगर लोकतांत्रिक मूल्यों, बराबरी के संवाद और बुजुर्गों के सम्मान में होती तो इस पत्र का जवाब वह खुद देते। मगर इसकी बजाय उन्होंने जेपी नड्डा की ओर से एक हीनतर और आक्रामक किस्म का जवाब लिखवा कर भिजवा दिया। 82 साल के एक वरिष्ठ जननेता का निरादर करने की आखिर क्या जरूरत थी?

भाजपा सरकार हर बात छिपाना चाहती है: अखिलेश

बोले- कुछ लोग अपशब्दों का विश्व रिकॉर्ड बनाना चाहते हैं

- » जिसे क्रोध आता हो वो योगी कैसे हो सकता है
- » सपा प्रमुख ने कहा- मैंने कभी किसी साधु-संत के लिए कुछ नहीं कहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इसको लेकर पूरे प्रदेश का सियासी तापमान चढ़ा हुआ है। प्रदेश की सत्ताधारी पार्टी भाजपा और मुख्य विपक्षी दल सपा के बीच लगातार एक-दूसरे पर सियासी हमले किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बीते गुरुवार को सीएम योगी जब अयोध्या जिले के मिल्कीपुर पहुंचे तो उन्होंने एक बार फिर समाजवादी पार्टी और सपा प्रमुख पर जमकर निशाना साधा।

इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि भू-माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई हो रही है तो इनके सरगना को तकलीफ हो रही है। साथ ही सीएम योगी ने कहा कि जैसे कुत्ते की पूंछ सीधी नहीं हो सकती, वैसे ही समाजवादी पार्टी के दरिंदे, जो बेटियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं, वे भी कभी ठीक नहीं हो सकते। सीएम योगी के इन बयानों पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव की ओर से भी पलटवार किया गया है।

मुख्यमंत्री की भाषा इतनी ओछी नहीं होनी चाहिए : आईपी सिंह

इससे पहले सपा नेता आईपी सिंह ने भी सीएम योगी के बयान पर पलटवार किया था। आईपी सिंह ने कहा था कि मुख्यमंत्री योगी जी अयोध्या में भी जहां दीप जलाते हैं उसे सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बनवाया था। जलन तो आपके कलेजे में मोदी जी और अमित शाह की वजह से हो रही है जो आपको कुर्सी से हटाने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री की भाषा इतनी ओछी नहीं हो सकती इससे आपके संस्कार और अशिक्षित होने का प्रमाण है।

मठाधीश मुख्यमंत्री हैं हमारे सीएम

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा कि अब कोई अपशब्दों का विश्व रिकॉर्ड बनाने में लगा है। इंसान की 'सोच' ही शब्द बनकर निकलती है। सबको सन्मति दे। इससे पहले सपा प्रमुख ने सीएम योगी के हमलों पर करारा पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा सरकार हर बात छिपाना चाहती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान अलग आ रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि मैंने कभी भी किसी साधु-संत के लिए कुछ नहीं कहा है। सीएम योगी पर तंज कसते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि जिसे क्रोध आता है वो योगी कैसे हो सकता है। इसलिए मैं कहता हूं कि हमारे सीएम मठाधीश मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने कहा कि मेरी और योगी जी की तस्वीर सामने रख लो देखकर पता चल जाएगा कि मठाधीश कौन है। अखिलेश ने सीएम योगी पर तंज कसते हुए कहा कि मुख्यंत्री योगी एकमात्र ऐसे सीएम हैं जिन्होंने अपने ऊपर लगे मुकदमे वापस ले लिए हैं। आखिर उन्होंने अभी तक टॉप टेन माफियाओं की सूची क्यों नहीं जारी की है?

राजस्थान आइए बताते हैं कौन आतंकी है: डोटासरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू की ओर से कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर दिए गए बयान के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। राहुल गांधी ने अमेरिका दौरे पर सिखों को लेकर बयान दिया था, जिस पर रवनीत बिट्टू ने उन्हें आतंकी बता दिया था। इसके बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया गया। इधर राजस्थान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी रवनीत बिट्टू पर जमकर हमला बोला है।

- » राजस्थान कांग्रेस प्रमुख ने केंद्रीय मंत्री बिट्टू पर बोला हमला

गोविंद सिंह डोटासरा ने केंद्रीय राज्य मंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि रवनीत बिट्टू राजस्थान आइए, आप राज्यसभा के सदस्य हैं। यहां आइए तो बताते हैं कि कौन आतंकवादी है और कौन आतंकवादी नहीं है, जिसका खाया है उन्हीं राहुल गांधी पर आप आपत्तिजनक बयान दे रहे हैं। राहुल गांधी ने आपको तीन बार एमपी बनाया और इसके बाद भी आप इस तरीके की बात करते हैं। डोटासरा ने कहा कि हमने निर्विरोध यहां से राज्यसभा का मेंबर बनाया कि ठीक है प्रजातंत्र है, बहुमत भारतीय जनता पार्टी की है और जिसको उम्मीदवार बनाते हैं, हम उसका समर्थन करेंगे वरना यदि यह बयान पहले दिया होता तो छठी का दूध याद दिला देते, क्या समझ रखा है।

चुनाव कराने से डरती है भाजपा सरकार: सुप्रिया

- » बोलीं- सशक्त लोकतंत्र में 'वन नेशन वन इलेक्शन' मुश्किल
- » राहुल गांधी के खिलाफ बोलने के लिए सरकार के पास कुछ नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर गहमागहमी जारी है। इस बीच एनसीपी (एसपी) सांसद और शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर सवाल खड़े किए। सुप्रिया सुले ने वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर कहा कि अभी तक पूरा बिल सरकार ने भेजा नहीं है इसीलिए कुछ भी टीका टिप्पणी करना सही नहीं होगा। एक सशक्त लोकतंत्र में सारे चुनाव एक साथ कैसे कराए जा सकते हैं? कुछ फॉर्मूला तो सामने आए लेकिन एक सशक्त लोकतंत्र में ये थोड़ा मुश्किल लगता है।

सुप्रिया ने सवाल उठाते हुए कहा कि महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय के चुनाव कई सालों से नहीं हुए। हकीकत यह है कि यह सरकार चुनाव कराने से डरती है इसीलिए कई सालों से महानगरपालिकाओं के चुनाव महाराष्ट्र में नहीं हुए हैं और आम आदमी जाए तो जाए कहां? वे चुनाव करा सकते थे लेकिन यह सरकार चुनाव कराने से डरती है।

सत्ता में बैठे लोग राहुल गांधी को कर रहे हैं टारगेट

सुप्रिया सुले ने कहा कि ऐसी राजनीति हमने कभी नहीं देखी है। जिस तरह से राहुल गांधी के लिए सत्ता में बैठे लोग भाषा बोलते हैं। हमारा महाराष्ट्र संस्कारी है, पता नहीं ये लोग कहां से आए हैं कि ऐसी भाषा बोलते हैं। राजनीति एक तरफ है लेकिन इस तरह के वक्तव्य होने के बाद भी उन्हें कोई कुछ नहीं कहता। यह बहुत गंदी राजनीति महाराष्ट्र में चल रही है। ये महाराष्ट्र को शोभा नहीं देता। उन्होंने आगे कहा कि हो सकता है कि राहुल गांधी को टारगेट किया जा रहा हो। राहुल गांधी देश के बड़े नेता हैं। उनके खिलाफ कुछ बोलने के लिए सरकार के पास कुछ भी नहीं है। राहुल गांधी काफी मेहनत करते हैं। उनके ऊपर आज तक कोई भ्रष्टाचार का आरोप नहीं है।

अपराध के मामले में हरियाणा देश में नंबर वन राज्य: भूपेंद्र हुड्डा

बोले- भाजपा ने 10 वर्षों में हरियाणा को बना दिया अपराधियों का अड्डा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत गरमाई हुई है। सपा-कांग्रेस दोनों के बीच एक-दूसरे पर सियासी हमले लगातार जारी हैं। इस बीच प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा ने विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने का दावा करते हुए अपराधियों को चेतावनी दी कि वे या तो अपराध छोड़ दें या फिर आठ अक्टूबर से पहले राज्य छोड़कर चले जाएं। हुड्डा ने अपनी रथयात्रा के सफीदों और जींद पहुंचने पर यह दावा किया।

जाहिर है कि हरियाणा में पांच अक्टूबर को मतदान होगा और मतगणना आठ अक्टूबर को होगी। हुड्डा ने सफीदों विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार सुभाष गांगोली के समर्थन में मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार का लक्ष्य हरियाणा को विकसित और सुरक्षित बनाना है।

प्रदेश में हर दिन हो रहीं हत्या व दुष्कर्म की घटनाएं

भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि राज्य में हर दिन हत्या, दुष्कर्म, अपहरण की घटनाएं हो रही हैं और कोई भी सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्ता में आने के बाद कांग्रेस दो लाख रिक्त पदों को भरेगी, पुरानी पेंशन योजना बहाल करेगी, बुजुर्गों को 6,000 रुपये प्रति माह पेंशन देगी, 300 यूनिट मुफ्त बिजली और हर घर में 500 रुपये में गैस सिलेंडर देगी।

कांग्रेस ने अपने शासन में अपराधियों पर लगा दिया था अंकुश

हरियाणा के पूर्व सीएम ने आगे कहा कि जब 2005 में कांग्रेस हरियाणा की सत्ता में लौटी थी तो पार्टी ने अपराध पर अंकुश लगा दिया था और 10 साल तक कानून-व्यवस्था कायम रखी थी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे प्रदेश की तरक्की हुई और हरियाणा विकास के मामले में देश में 'नंबर वन' राज्य बन गया था। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने पिछले 10 वर्षों में हरियाणा को अपराधियों का अड्डा बना दिया है और अपराध के मामले में यह देश में नंबर वन राज्य बन गया है।

इनेलो, जजपा और हलोपा भाजपा की 'बी' टीम

हुड्डा ने आगे कहा कि इसके अलावा महिलाओं को हर महीने दो हजार रुपये, 25 लाख का मुफ्त इलाज, साथ ही 100 गज का भूखंड, एमएसपी की गारंटी और तत्काल फसल मुआवजा कांग्रेस की गारंटी में है। हुड्डा ने कहा कि इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो), जननायक जनता पार्टी (जजपा) और हरियाणा लोकहित पार्टी (हलोपा) तीनों ही बीजेपी की बी टीम हैं। उन्होंने कहा कि इस बार मुकाबला कांग्रेस और बीजेपी के बीच है।

जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और नेकां बनाएंगे सरकार: पायलट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सचिन पायलट ने कांग्रेस प्रत्याशी इफ्तखार अहमद के समर्थन में रैली की। इस दौरान पायलट ने दावा किया कि जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के गठबंधन की सरकार बनेगी। उन्होंने पीएम मोदी के जम्मू-कश्मीर दौरे को लेकर कहा कि उन्हें जनता को जवाब देना होगा कि उन्होंने यहां के लिए क्या किया है।

सचिन पायलट ने कहा कि माहौल हमारे पक्ष में है। लोग कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस को पसंद कर रहे हैं और हम भारी बहुमत से सरकार बनाएंगे। पायलट ने कहा कि बीते 10 साल से बीजेपी केंद्र में सत्ता में है, उन्हें यह जवाब देना होगा कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर के लिए क्या किया। बीते 10 साल से जनता अपने अधिकारों से वंचित है। पूर्ण राज्य का दर्जा छीन लिया गया। आज चुनाव सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हो रहे हैं। सचिन पायलट ने गठबंधन की जीत का दावा करते हुए कहा कि केंद्र सरकार चुनाव नहीं कराना चाहती थी, लेकिन चुनाव के नतीजे हमारे पक्ष में आएंगे।

घोषणा पत्रों से खुलेगी सियासी राह !

कांग्रेस के बाद बीजेपी ने जारी किया मेनिफेस्टो

- वादों से मतदाता को रिझाने की तैयारी
- घोषणाओं को लेकर दोनों दलों में रार
- हुड्डा ने सैनी सरकार को घेरा
- भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने जारी किया मेनिफेस्टो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनावों का मौसम चल रहा है। सियासी दल अपनी-अपनी तैयारी में लगे हुए हैं। जनता को अपनी ओर करने के लिए राजनीतिक पार्टियों के नेता लोकलुभावन वादों से रिझाने की कोशिश में जुटें है। देश के दो महत्वपूर्ण राज्यों हरियाणा व जम्मू-कश्मीर में चुनाव आ गए हैं। जम्मू व कश्मीर में एक चरण के मतदान हो चुका है। हरियाणा में वोटिंग होने हैं। सत्ता में वापसी के आतुर कांग्रेस ने वहां के लिए घोषणा पत्र जारी कर दिया है। अब सत्ता में बैठी बीजेपी ने भी अपना संकल्प पत्र जारी कर दिया है। घोषणा पत्र को लेकर सियासत भी होने लगी है। कांग्रेस के घोषणा पत्र का जहां बीजेपी ने आलोचना किया था। वहीं कांग्रेस ने भी भाजपा के संकल्प पत्र को बकवास बताते हुए उसे अपने घोषणा पत्र का नकल बताया है। कुल मिलाकर दोनों प्रमुख पार्टियां अपने-अपने घोषणा पत्र को बढ़िया बता रही अब तो आने वाला चुनाव परिणाम ही बताएंगे कि किसके घोषणा पत्र को जनता ने महत्व दिया। 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान 5 अक्टूबर को होगा जबकि वोटों की गिनती 8 अक्टूबर को होगी। भाजपा अध्यक्ष ने साफ तौर पर कहा कि हमारा घोषणा पत्र हमारा संकल्प है...। भाजपा सरकार समयबद्ध तरीके से अगली बार जब आपके सामने आएगी, तब संकल्प पत्र में किए गए सारे वादों को पूरा करके आएगी।

भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पांच अक्टूबर को होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को पार्टी का घोषणापत्र जारी किया, जिसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 24 फसलें खरीदने और राज्य के प्रत्येक अग्निवीर को सरकारी नौकरी देने का वादा किया गया है। नड्डा ने रोहतक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्रियों मनोहर लाल खट्टर, राव इंद्रजीत सिंह और कृष्णपाल गुर्जर की मौजूदगी में घोषणापत्र जारी किया। पार्टी ने देश भर के किसी भी सरकारी मेडिकल या इंजीनियरिंग कॉलेज में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी) समुदायों से संबंधित हरियाणा के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति और ग्रामीण क्षेत्रों में कॉलेज जाने वाली लड़कियों को स्कूटर देने का भी वादा किया। घोषणापत्र जारी होने से पहले सैनी ने कहा कि संकल्प पत्र में युवाओं, गरीबों, किसानों और महिलाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। नड्डा ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में हरियाणा प्रगति के पथ पर आगे बढ़ा है। उन्होंने पिछली सरकारों के दौरान हुए कथित भ्रष्टाचार और घोटालों का जिक्र करते हुए कहा, आप स्पष्ट रूप से देख सकते हैं हरियाणा बदल गया है और अंतर स्पष्ट है।

पांच साल में हरियाणा के मंत्रियों के खजाने भरे

पांच साल में मनोहर लाल और सैनी सरकार के मंत्रियों व पूर्व मंत्रियों की संपत्ति में कई गुना इजाफा हुआ है। इसका खुलासा चुनाव लड़ रहे मंत्रियों के चुनावी हलफनामे में हुआ है। जिस मंत्री की संपत्ति में सबसे ज्यादा इजाफा हुआ है, वह उकलाना से भाजपा के टिकट पर उम्मीदवार अनूप धानक हैं। पांच साल में उनकी संपत्ति में करीब 375 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। 2019 में उनकी संपत्ति 1.39 करोड़ थी, जो बढ़कर 6.59 करोड़ पहुंच गई है। वह पूर्व सीएम मनोहर लाल की सरकार की कैबिनेट में पुरातत्व व संग्रहालय राज्य मंत्री थे। वह करीब साढ़े चार साल तक मंत्री पद पर रहे थे। वहीं, किसी मंत्री की संपत्ति में कमी आई है तो वह पूर्व बिजली मंत्री रणजीत सिंह हैं। पांच साल में उनकी संपत्ति में नौ फीसदी की कमी दर्ज की गई है। पिछले साल के चुनावी हलफनामे के मुताबिक उनकी संपत्ति करीब 27.08 करोड़ थी। इस चुनाव में उन्होंने हलफनामा में अपनी दौलत करीब 24.04 करोड़ दर्शाई है। वह रानियां सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। सैनी सरकार के परिवहन व बाल विकास राज्य मंत्री असीम गोयल की संपत्ति में करीब 260 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। अंबाला सिटी से चुनाव लड़ रहे गोयल की 2019 में संपत्ति करीब साढ़े पांच करोड़ थी, जो बढ़कर करीब 20 करोड़ पहुंच गई है। पांच साल में उनकी संपत्ति में 260 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वह दो बार से विधायक हैं।

बजट का हिसाब लगाकर की घोषणाएं : खट्टर

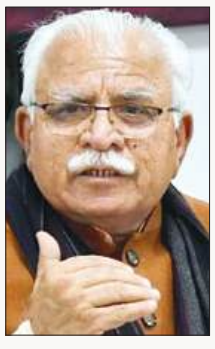

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि हमने सोच-समझकर, सारा बजट का हिसाब लगाकर घोषणाएं की हैं। पूर्व सीएम खट्टर ने कहा कि हरियाणा के घोषणापत्र में बहुत संतुलित तरीके से हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। महिलाओं, युवाओं, किसानों, पिछड़े समाज, सबका ध्यान रखा गया है। उसमें युवाओं के लिए नौकरी की भी चिंता की गई है। हमने सोच-समझकर, सारा बजट का हिसाब लगाकर घोषणाएं की हैं। भाजपा ने रोहतक में अपना संकल्प पत्र जारी करते हुए हरियाणा के हर अग्निवीर को सरकारी नौकरी देने का वादा किया। खरखौदा औद्योगिक शहर की तर्ज पर 10 औद्योगिक शहर बनाने का वादा किया। घोषणापत्र जारी होने से पहले सैनी ने कहा कि संकल्प पत्र में युवाओं, गरीबों, किसानों और महिलाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

सीएम सैनी भी मालामाल

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की संपत्ति में इजाफा हुआ है। पिछले साल लोकसभा चुनाव के दौरान उनकी संपत्ति करीब तीन करोड़ 58 लाख थी, जो 62 फीसदी बढ़ कर करीब पांच करोड़ 81 लाख पहुंच गई है। वहीं, बल्लभगढ़ से चुनाव लड़ रहे मूल चंद शर्मा की संपत्ति में करीब 169 फीसदी का इजाफा हुआ है। पांच साल पहले उनकी संपत्ति करीब साढ़े 12 करोड़ थी, जो 169 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ साढ़े 33 करोड़ पहुंच गई है। सरकार के कुछ ऐसे मंत्री भी हैं, जिनकी संपत्ति में कोई खास बढ़ोतरी नहीं देखी गई है। इनमें पूर्व गृह व स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज हैं। पांच साल पहले उनकी संपत्ति करीब सवा करोड़ थी, जो बढ़कर करीब डेढ़ करोड़ दर्ज की गई है। वहीं, मनोहर सरकार में महिला एंव बाल विकास मंत्री कमलेश ढांडा की संपत्ति पांच साल पहले करीब ढाई करोड़ थी, जो बढ़कर करीब पौने तीन करोड़ दर्ज की गई है।

भाजपा का घोषणापत्र हमारा कॉपी-पेस्ट : भूपेंद्र हड्डा

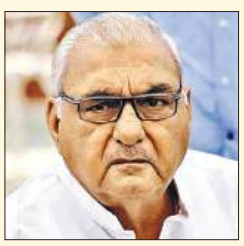

भाजपा के घोषणापत्र को लेकर कांग्रेस हमलावर हो गई है। कांग्रेस के नेता इसे कॉपी-पेस्ट बता रहे हैं। एलओपी और पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा भाजपा के घोषणापत्र पर कहा कि यह हमारा कॉपी-पेस्ट है। उन्होंने दावा किया कि हमने कहा है कि उनके सभी झूठे वादे हैं। 2005 और 2009 के हमारे घोषणापत्रों को देखें, हमने अपने सभी वादे पूरे किए। 2014 और 2019 के उनके घोषणापत्रों को देखें - उन्होंने कुछ नहीं किया। उन्होंने झूठा घोषणा पत्र बनाया। यह झूठ का पुलिंदा है। बीजेपी के घोषणापत्र में उल्लिखित अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों की गारंटी पर हुड्डा ने कहा कि पूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण पहले से मौजूद है। 4 साल की भर्ती के बजाय नियमित भर्ती होनी चाहिए। इसको लेकर दीपेंद्र सिंह हुड्डा का भी बयान सामने आया है। दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि लोग अभी भी अपना 2014 का घोषणा पत्र लेकर चल रहे हैं। न तो उन्हें बैंक खातों में 15 लाख रुपये मिले, न ही किसानों की आय दोगुनी हुई। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के घोषणापत्र पर किसी को विश्वास नहीं है। उन्होंने कांग्रेस के घोषणापत्र की नकल की जिसमें कहा गया था कि एलपीजी सिलेंडर 500 रुपये में दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि महिलाओं को 2100 रुपये दिए जाएंगे, इसका मतलब है कि उन्होंने स्वीकार कर लिया है कि मुद्रास्फीति है। बीजेपी का घोषणापत्र कांग्रेस की नैतिक जीत है।

सबसे अमीर मंत्री दुष्यंत चौटाला

मनोहर व सैनी सरकार में सबसे अमीर मंत्री पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला रहे हैं। उनके पास आबकारी एवं कराधान, लोक निर्माण, नागरिक उड्डयन विभाग समेत अन्य विभाग थे। 2019 में उनकी संपत्ति करीब 72 करोड़ थी। पांच साल में उनकी संपत्ति 64 फीसदी बढ़कर करीब 122 करोड़ पहुंच गई है। हरियाणा सरकार के दूसरे सबसे अमीर मंत्री जेपी दलाल थे। पांच साल में उनकी संपत्ति 52 फीसदी बढ़कर 116 पहुंच गई है। 2019 में उनकी संपत्ति करीब पौने 77 करोड़ रुपये थी।

कांग्रेस ने घोषणा पत्र को एक पतला दस्तावेज बनाया : नड्डा

इस दौरान नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने घोषणा पत्र को लोगों की नजरों में एक पतला दस्तावेज़ बना दिया। कांग्रेस ने और कांग्रेस की संस्कृति ने घोषणा पत्र की प्रासंगिकता को समाप्त कर दिया। उनके लिए ये दस्तावेज़... महज एक औपचारिकता है व लोगों के साथ छलावा करना है। उन्होंने कहा कि आप याद कीजिए, 10 साल पहले हरियाणा की छवि क्या थी? पर्ची और खर्ची पर नौकरी लगने वाली थी और नौकरियों के चलते लोगों को सजाएं भी हुईं। उसी तरीके से हरियाणा जमीन घोटालों के लिए जाना जाता था। उनका (कांग्रेस) वास्तविक घोषणा पत्र तो ये था... जमीन का घोटाला करना, औने-पौने दामों पर जमीनों को खरीदना और उससे मुनाफा कमाना, किसानों की जमीनों को हड़पना। 10 साल पहले, हरियाणा की हर सरकार भ्रष्टाचारी कहलाती थी। नड्डा ने कहा कि हम तो हरियाणा की सेवा नॉन स्टॉप कर रहे हैं और इसे नॉन स्टॉप करने में आपको बहुत बड़ी जिम्मेदारी निभानी है। हमने जो कहा था वो किया है, जो नहीं कहा था वो भी किया है और जो कहेंगे वो भी करेंगे। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस की सरकार थी, तब 1,158 करोड़ रुपये किसानों को फसल का मुआवजा दिया गया, जबकि भाजपा सरकार के दौरान किसानों को 12,500 करोड़ रुपये फसल का मुआवजा दिया गया। कांग्रेस की सरकार की तुलना में भाजपा सरकार के दौरान किसानों को करीब 10 गुना ज्यादा फसल का मुआवजा दिया गया।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

अब देश में ओजोन प्रदूषण का खतरा!

दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से अच्छी बारिश देखी जा रही है। बारिश के मौसम में दिल्ली की हवा में प्रदूषण का स्तर बेहद कम हो जाता है। प्रदूषक कण पीएम 2.5 और पीएम 10 के स्तर में तो कमी आई है, लेकिन राजधानी के कुछ इलाकों की हवा में ओजोन का स्तर बढ़ा हुआ दर्ज किया जा रहा है।

भारत में प्रदूषण होना नई बात नहीं है। सरकारों के ढुलमूल रवैये और आमजन की अनदेखी की वजह से जल, वायु, ध्वनि व मृदा का प्रदूषण होने की खबरे आम हैं। अब देश में वायुमंड का सबसे महत्वपूर्ण ओजोन परत भी प्रदूषण के चपेट में आ गया है जो मानवीय जीवन के लिए भयंकर खतरा है। ओजोन सूरज की खतरनाक किरणों को डायरेक्ट धरती पर आने से रोकता है। ये जब प्रदूषित होगा तो ये खतरनाक किरणें गर्मी को बढ़ा देंगी और धरती पर पर्यावरण को नुकसान पहुचाएंगी। दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से अच्छी बारिश देखी जा रही है। बारिश के मौसम में दिल्ली की हवा में प्रदूषण का स्तर बेहद कम हो जाता है। प्रदूषक कण पीएम 2.5 और पीएम 10 के स्तर में तो कमी आई है, लेकिन राजधानी के कुछ इलाकों की हवा में ओजोन का स्तर बढ़ा हुआ दर्ज किया जा रहा है। दिल्ली की हवा में प्रदूषण के स्तर पर नजर रखने वाली पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की संस्था सफर की रिपोर्ट के मुताबिक 18 सितंबर को मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम के आसपास के इलाके में हवा में ओजोन का स्तर 101 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर तक पहुंच गया।

यह 100 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर से ज्यादा नहीं होना चाहिए। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट की हाल की एक रिपोर्ट के मुताबिक देश के कई शहरों में ओजोन स्तर में चिंताजनक वृद्धि हुई है। इस साल गर्मियों में भारत के दस प्रमुख शहरों में ओजोन खतरनाक स्तर तक बढ़ गया। इनमें दिल्ली सबसे ज्यादा प्रभावित हुई। एयर क्वालिटी ट्रैकर एन इनविजिबल थ्रेट नाम से आई इस रिपोर्ट में प्रमुख रूप से दिल्ली, एनसीआर, बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, पुणे, ग्रेटर अहमदाबाद, ग्रेटर हैदराबाद, ग्रेटर जयपुर और ग्रेटर लखनऊ में ओजोन के स्तर का विश्लेषण किया गया। वैज्ञानिकों के मुताबिक कुछ समय पहले तक गर्मियों में ही ओजोन के स्तर में बढ़ोतरी देखी जाती थी। लेकिन देश के कई हिस्सों में ये अब पूरे साल की समस्या बन गया है। हवा में ओजोन की मात्रा ज्यादा होने से हमारे फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है। इससे दिल की बीमारी का भी खतरा बढ़ता है। सीएसई ने ओजोन प्रदूषण पर किए गए अपने अध्ययन में कुछ सुझाव दिए हैं। इसमें कहा गया है कि ओजोन की जटिल रासायनिक संरचना के कारण इसे ट्रैक और नियंत्रित करना मुश्किल है। इसके लिए एक व्यवस्था बनाने की जरूरत है। वैश्विक अनुभवों के मुताबिक जैसे जैसे हवा में मौजूद प्रदूषण के कणों का स्तर गिरता है नाइट्रोजन ऑक्साइड और ग्राउंड लेवल ओजोन का स्तर बढ़ने लगता है। ऐसे में ओजोन को नियंत्रित करने के लिए उद्योगों, वाहनों, घरों और खुले में जलने से होने वाले उत्सर्जन को रोकने के लिए सख्त नियम होने चाहिए। ओजोन शहरों से दूर दूर तक फैल कर प्रदूषण में इजाफा करता है। इसके लिए स्थानीय और क्षेत्रीय स्तर पर निगरानी की जरूरत है। साथ ही सरकारों को भी गंभीर होने की जरूरत है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राज्य व राज्यपाल में विवेकपूर्ण संतुलन जरूरी

विश्वनाथ सचदेव

शेक्सपियर का एक चर्चित नाटक है मैक्बेथ। स्कॉटलैंड के राजा के दो जनरल उसके खिलाफ हैं। लेडी मैक्बेथ इनमें से एक की पत्नी है। ये लोग मिलकर राजा की हत्या का षड्यंत्र रचते हैं, पर मैक्बेथ हत्या के लिए साहस नहीं जुटा पा रहा। पत्नी उसकी मर्दानगी को चुनौती देती है, उसे कायर, नामर्द और न जाने क्या-क्या कहती है और अंतत: मैक्बेथ अपने आप को प्रमाणित करने के लिए राजा की हत्या के लिए तैयार हो जाता है। लेकिन लेडी मैक्बेथ की आत्मा उसे धिक्कारती है और वह आत्महत्या कर लेती है। हाल ही में यह लेडी मैक्बेथ अचानक भारत के मीडिया में चर्चा का विषय बन गयी थी। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने राज्य की मुख्यमंत्री की तुलना लेडी मैक्बेथ से की है।

यह तो नहीं पता कि ऐसी तुलना करके वह क्या बताना-जताना चाहते थे, पर सवाल उठ रहे हैं कि कोई राज्यपाल इस तरह की बात कैसे कह सकता है। राज्यपाल और राज्य-सरकार के रिश्तों की खटास किसी से छिपी नहीं है। समय-समय पर सी.वी. आनंद बोस अपने राज्य की मुख्यमंत्री की आलोचना करते रहे हैं। अब एक युवा डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के मामले में ममता बनर्जी की सरकार कटघरे में है। यह सही है कि ममता के विरोधी इस स्थिति का राजनीतिक लाभ उठाना चाह रहे हैं, पर सही यह भी है कि इस निंदनीय प्रकरण में ममता बनर्जी बचाव की मुद्रा में हैं- विरोधी दल तो राज्य सरकार की आलोचना कर ही रहे हैं, राज्यपाल भी खुलकर पश्चिम बंगाल की सरकार की आलोचना में लगे हैं। उनका कहना है कि राज्य की सरकार अपना कर्तव्य निभाने में असफल रही है 'और राज्य की जनता की भावनाओं को नहीं समझ रही।' यहां तक तो बात फिर भी समझ में आती है, पर जब राज्यपाल यह कहते हैं कि 'ममता बनर्जी लेडी मैक्बेथ हैं और उनके साथ कोई मंच साझा नहीं करूंगा' तो मामला गंभीर बन जाता है। राज्यपाल ने अपने इस कदम को राज्य की जनता की भावनाओं के साथ खड़े होना बताया और कहा कि वे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का 'सामाजिक बहिष्कार' करेंगे। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि उनकी प्रतिबद्धता राज्य की जनता और आर.जी. कर अस्पताल की 'डॉ. अभया' के परिवार के प्रति है और वे विरोध प्रदर्शन कर रहे डाक्टरों के साथ हैं। उन्होंने यह भी कहना ज़रूरी समझा कि उनकी प्रतिबद्धता भारत के संविधान

के प्रति है। पता नहीं राज्य के मुख्यमंत्री की तुलना लेडी मैक्बेथ से करके और राज्य सरकार को अपने कर्तव्य-पालन में असफल सिद्ध होना बताकर वे किस ओर इशारा कर रहे हैं। हमारे संविधान में राज्यपाल के पद की व्यवस्था करके संविधान-निर्माताओं ने एक तरह से केंद्र और राज्य सरकारों के बीच एक सेतु बनाया था। अपेक्षा की जाती है कि राज्यपाल केंद्र के प्रतिनिधि की तरह काम करेंगे और राज्य की स्थिति के बारे में केंद्र को अवगत भी कराते रहेंगे। राज्यपालों की व्यवस्था करते हुए यह अपेक्षा भी की गयी थी कि राज्यपाल राज्य सरकार के परामर्शदाता भी होंगे। इसके साथ ही यह भी मान कर चला गया था कि इस पद पर सुयोग्य और रोज़मर्रा की दलगत राजनीति से पृथक रहने वाले व्यक्तियों को नियुक्त किया जायेगा। पिछले 75 सालों का अनुभव यह बताता है कि राज्यपालों की नियुक्ति में केंद्र में सत्तारूढ़ दल के हितों को ही देखा जाता है। अक्सर ऐसे लोगों को इस पद पर बिठाया गया है जो या तो उम्रदराज हो गये थे या जिन्हें केंद्र में सत्तारूढ़ पक्ष ने अपने हितों के लिये उचित समझा है। आज़ादी पाने के कुछ साल बाद तक तो परंपरा यह भी थी कि राज्यपाल की नियुक्ति के समय संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री से परामर्श भी कर लिया जाता था। तब राज्य सरकार और राज्यपाल में टकराव की स्थितियां भी कम आती थीं। लेकिन केंद्र और राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक दलों की सरकारें बनने के बाद स्थिति बदल गयी। राज्यों में राज्यपाल को केंद्र सरकार के एजेंट के रूप में देखा जाने लगा और दुर्भाग्य से कुछ राज्यपालों का व्यवहार भी यह बताने लगा कि वे केंद्र सरकार के हितों को अधिक महत्व दे रहे हैं। कुछ राज्यपालों पर केंद्र सरकार के इशारों पर काम करने के आरोप भी लगे। कई बार ऐसी स्थितियां बन गयीं कि यह सवाल भी उठा कि राज्यपाल की आवश्यकता ही क्या है?

निश्चित रूप से यह अच्छी स्थिति नहीं है। अब तो अक्सर ऐसे मामले सामने आ रहे हैं कि राज्यपाल के कुछ करने, या कुछ न करने का परिणाम राज्यों की जनता को भुगतना पड़ रहा है। ऐसे उदाहरण भी हैं जिनमें राज्य सरकारों द्वारा स्वीकृति के लिए भेजे गये विधेयकों या अन्य मामलों में राज्यपाल के कुछ न करने से काम रुका रह जाता है। बहरहाल, यह सब बातें अपनी जगह हैं, लेकिन देश को इस बारे में तो सोचना ही चाहिए कि राज्यपालों और राज्य सरकारों के बीच तनाव क्यों उत्पन्न हो और कैसे इस तनाव को कम किया जा सकता है, रोका जा सकता है।

आसमान को कूड़ाघर बनने से बचाएं

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

नगरों में कूड़ा जलाने वाले संयंत्र और सड़क सफाई की मशीनें भी वायु में प्रदूषकों का अम्बार छोड़ देती हैं। वातावरण में धूल और कणीय प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए पानी का छिड़काव और एंटी-स्मॉग गन्स का उपयोग किया जा रहा है, लेकिन अधिकांश राज्य सरकारें विशेषकर ठंड के मौसम में इन प्रदूषणों के खिलाफ प्रभावी कदम उठाने में असमर्थ रहती हैं।

जब भी साफ हवा, नीला आसमान, पृथ्वी दिवस, पर्यावरण दिवस जैसे अवसर आते हैं, तो हम पृथ्वी के हित में अपने दायित्वों की बात करते हैं। भाषणबाज़ी से अलग, पृथ्वी के हित में हम सबसे महत्वपूर्ण कदम यह उठा सकते हैं कि आसमान को कूड़ा घर न बनाएं। जगह-जगह विशाल कूड़े के पहाड़, लैंडफिल्स में आग लगना और कई दिनों तक घुटन भरा धुआं उगलना यह दर्शाता है कि कूड़ा सिर्फ जमीन पर नहीं, बल्कि आसमान में भी अपनी जगह बना रहा है। प्लास्टिक इस संदर्भ में एक बड़ा खलनायक है। जलने के साथ-साथ माइक्रो-प्लास्टिक के छोटे कण भी वायुमंडल में पहुंचते हैं। हाल ही में एक आम दृश्य यह देखा जा रहा है कि लोग सड़कों पर पत्तियां इकट्ठा करके उन्हें जलाते हैं। चुनावी सामग्री का कूड़ा भी सड़कों पर फैल जाता है और उसे भी जला दिया जाता है। इस धुएं का आसमान में फैलना, हमें यह बताता है कि हम अपने कूड़े को सीधे आसमान में भेज रहे हैं।

देशभर में विकास की दौड़ में वायु गुणवत्ता लगातार गिरती जा रही है। निर्माण कार्यों, कोयला बिजली उत्पादन, और ईंट-भट्ठों से उड़ने वाली धूल और कणीय प्रदूषक वायु गुणवत्ता को प्रभावित कर रहे हैं। जब वायु गुणवत्ता खराब हो जाती है, तो धूल और कणीय प्रदूषकों को रोकने के लिए जाली व कपड़े की दीवारें लगाई जाती हैं। नगरों में कूड़ा जलाने वाले संयंत्र और सड़क सफाई की मशीनें भी वायु में प्रदूषकों का अम्बार छोड़ देती हैं। वातावरण में धूल और कणीय प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए पानी का छिड़काव और एंटी-स्मॉग गन्स का उपयोग किया जा रहा है, लेकिन अधिकांश राज्य सरकारें विशेषकर ठंड के मौसम में इन प्रदूषणों के खिलाफ प्रभावी कदम उठाने में असमर्थ रहती हैं। अंतत: स्कूलों और कार्यालयों को बंद करना पड़ता है। राजनीतिक कारणों से निर्माण कार्यों और कूड़े के ढेर की अनदेखी होती है, जिससे प्रदूषण और बढ़ जाता है।

वायु में कणीय प्रदूषण स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा है। इससे बीमारियों में वृद्धि होती है। ये कण पानी में भी जमते हैं और वहां से मिट्टी और घास में पहुंच जाते हैं, जो जानवरों के भोजन में भी शामिल हो जाते हैं। वैश्विक स्तर पर 90 प्रतिशत लोग प्रदूषित हवा में सांस लेते हैं और हर साल वायु प्रदूषण के कारण लगभग 7.9 मिलियन लोग समय से पहले मर जाते हैं, खासकर कम और मध्यम आय वाले देशों में। अत्यंत महीन कणीय प्रदूषकों को नियंत्रित करना अत्यावश्यक है। 7 अक्तूबर, 2019 को यूरोप और अमेरिका के देशों ने एक साझा अनुबंध पर हस्ताक्षर किए, जिसमें सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, और अमोनिया जैसे प्रदूषकों के अलावा पीएम 2.5 कणीय प्रदूषकों के उत्सर्जन को भी तय सीमा में बांधने का फैसला किया गया। हालांकि, कणीय प्रदूषण केवल भौतिक परिमाण से नहीं मापा जाता, उसकी रासायनिक प्रकृति भी महत्वपूर्ण होती है। प्लास्टिक, कागज और रबर जलने पर उनके कणीय प्रदूषक भी हवा में चले जाते हैं। भारत में नाइट्रोजन डाइऑक्साइड प्रदूषण उच्चतम है, और इसके कारण तेजाबी बारिश होती है। पेड़ों की पत्तियों पर प्रदूषण बैठ जाता है और उन्हें नुकसान पहुंचाता है। आसमान को कूड़ाघर बनने से बचाने के लिए व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर सुधार आवश्यक हैं। सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, वाहन ठीक रखना, और कूड़ा जलाने से बचना ये सभी व्यक्तिगत जिम्मेदारियां हैं।

दुनियाभर में बढ़ते ऊर्जा की मांग के कारण बड़े प्रदूषणकारी देश जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करने के लिए तैयार नहीं हैं। भारत, जिसमें दुनिया के सबसे अधिक प्रदूषित शहर शामिल हैं, भी कोयले के उत्पादन को बढ़ाने की योजना बना रहा है। इससे कणीय प्रदूषण और बढ़ेगा। नवीनतम खतरा माइक्रो-प्लास्टिक के वायुमंडल में पहुंचने का है। प्लास्टिक पर पाबंदी और इसके कम उपयोग से माइक्रो-प्लास्टिक भी कम होगा। हमें हताशा से बाहर निकलना होगा और अपनी आदतों में सुधार करना होगा। कूड़ा जलाने, पटाखे जलाने, धुआं छोड़ते वाहनों का उपयोग करने से बचना होगा। छोटे-छोटे बदलाव भी महत्वपूर्ण हैं, जैसे कूड़ा जलाने पर रोक और उचित कूड़ा प्रबंधन। प्राकृतिक कारणों से भी कणीय प्रदूषण बढ़ता है, जैसे आंधी-तूफान, खनन और ज्वालामुखी विस्फोट। पेड़ों की संख्या बढ़ाकर प्रदूषण को कम किया जा सकता है। अंतत:, यदि हम कूड़ा करते रहें और सरकारों पर आरोप लगाते रहें कि वे प्रदूषण कम करने में असफल हैं, तो यह हमारे लिए हानिकारक होगा। हर व्यक्ति का जिम्मेदारी समझना जरूरी है ताकि प्रदूषित हवा की समस्या कम की जा सके। जैसे हम अपने जलस्त्रोतों को प्रदूषित नहीं करना चाहते, वैसे ही आसमान को भी प्रदूषण से बचाना चाहिए। हमें यह समझना होगा कि प्रदूषण केवल एक राजनीतिक या सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर भी प्रभाव डालता है।

अंगूर का रस

अंगूर एंटीऑक्सिडेंट और विटामिन सी से भरपूर होता है, जो डिटॉक्सिफिकेशन में सहायता कर सकता है। इसमें ऐसे कंपाउंड भी होते हैं, जो लिवर एंजाइम एक्टिविटी को बढ़ाते हैं और लिवर के स्वास्थ्य को बेहतर करने में मदद करते हैं।

ग्रीन टी

पारंपरिक जूस न होते हुए भी ग्रीन टी लिवर के स्वास्थ्य के लिए एक फायदेमंद पेय है। इसमें कैटेचिन, एक प्रकार का एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो लिवर को नुकसान से बचाने में मदद करता है और सूजन को कम करता है। अगर किसी शारीरिक स्थिति से नहीं गुजर रहे हैं तो व्यक्ति बेझिझक दिन में तीन से पांच कप ग्रीन टी पी सकते हैं।

गाजर का रस

गाजर में बीटा-कैरोटीन उच्च मात्रा में होता है, जो एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है, जो लिवर के कार्य को सपोर्ट करता है। गाजर का रस लिवर पर ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने और डिटॉक्सिफिकेशन में सहायता कर सकता है। गाजर में मौजूर विटामिन ए संक्रमण से बचाता है और ब्रेस्ट मिल्क की गुणवत्ता को बढ़ाता है।

चुकंदर का जूस

चुकंदर अपने लिवर क्लींजिंग गुण के जाना जाता है। इसमें एंटीऑक्सिडेंट, बीटाइन और नाइट्रेट जैसे पोषक तत्वों की भारी मात्रा पाई जाती है, जो लिवर के स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर डिटॉक्सिफिकेशन को बढ़ावा देते हैं। चुकंदर फाइबर से भरपूर होते हैं और आपके पेट में अच्छे बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा देते हैं। पाचन तंत्र में बहुत सारे स्वस्थ बैक्टीरिया होने से बीमारी से लड़ने और आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद मिलती है। फाइबर पाचन में भी सुधार करता है और कब्ज के खतरे को कम करता है।

नींबू का रस

नींबू का रस विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट का बहुत अच्छा स्रोत है। यह लिवर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में सहायता करता है। साथ ही बाइल प्रोडक्शन को बढ़ाकर लिवर के कार्य का समर्थन करता है।

सेहतमंद लिवर के लिए
डाइट में शामिल करें ये जूस

लिवर हमारे शरीर का सबसे अहम अंग है। यह प्रोटीन, कोलेस्ट्रॉल और बाइल के प्रोडक्शन से लेकर विटामिन, मिनरल और यहां तक कि कार्बोहाइड्रेट के स्टोरेज तक शरीर के कई जरूरी कामों में अहम भूमिका निभाता है। यह शराब, दवाओं और मेटाबॉलिज्म के बाईप्रोडक्ट्स जैसे विषाक्त पदार्थों को भी शरीर से बाहर निकालने में मदद करता है। यह शरीर की ब्लड सप्लाई(रक्त आपूर्ति) से टॉक्सिन्स को निकालता है, ब्लड शुगर का लेवल सही बनाये रखता है, ब्लड क्लॉट्स को नियंत्रित करता है साथ ही और भी बहुत से महत्वपूर्ण कार्य करता है। यह दाहिने तरफ ऊपरी पेट में रिब केज के नीचे स्थित होता है। बेहतर स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए लिवर का सेहतमंद होना बेहद जरूरी है। लीवर, बाइल का भी उत्पादन करता है। बाइल, एक तरल पदार्थ है जो फैट को पचाने और वेस्ट को दूर करने में मदद करता है।

कैनबेरी जूस

कैनबेरी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं और लिवर के डैमेज को रोकने और पूरे लिवर स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। वे सूजन को कम करने और यूरिनरी ट्रैक्ट हेल्थ को बेहतर करने में मदद करता है।

हल्दी का रस

हल्दी में करक्यूमिन होता है, यह एक कंपाउंड है जो अपने एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के लिए जाना जाता है। यह लिवर को डैमेज से बचाने, सूजन को कम करने और लिवर के रीजनरेशन में सहायता सकता है। हल्दी में वात कफ दोषों को कम करने वाले गुण होते हैं और यह शरीर में खून बढ़ाने में मदद करती है।

हंसना मना है

मंटू- अरे मोनू तू इतना मोटा कैसे हो गया? चंटू- हमारे घर में फ्रिज नहीं है न। मंटू- तो चंटू- कुछ बचा नहीं सकते, सब खाना पड़ता है।

नंदू- यार कुछ पैसे उधार दे दे। पप्पू- क्या हुआ यार सब ठीक ठाक, नंदू- बीवी की उधारी चुकानी है। पप्पू- मतलब, नंदू- मुसीबत में भी बीवी से कभी पैसे उधार लिए थे। लेकिन अब समझ आ गया कि कभी भी बीवी से पैसे उधार नहीं लेने चाहिए। मैंने दो साल पहले 30 हजार लिए थे! 50 हजार दे चुका हूं, अभी भी 30 बाकी हैं, पता नहीं कौन सा हिसाब लगाती हैं।

बिट्टू ऑफिस में लेट पहुंचा। बॉस- कहां थे अब तक? बिट्टू - जी वो गर्लफ्रेंड को कॉलेज छोड़ने गया था, बॉस- शटअप, कल से ऑफिस टाइम से आना नहीं तो खैर नहीं, बिट्टू - ठीक है तो अपनी बेटी को खुद ही कॉलेज छोड़ देना। बॉस बेहोश!

डॉक्टर ने महिला को डाइटिंग टिप्स दिए, ऐसी चीजों से दूर रहें, जो तुम्हें मोटा बनाती हो। महिला-जैसे? डॉक्टर - जैसे कि वजन तोलने वाली मशीन, शीशा, तस्वीरें और सबसे जरूरी पतले दोस्त।

कहानी | सफल लाइफ के लिए कोई भी शॉर्टकट नहीं

एक बार एक चिड़िया जंगल में अपने मीठे सुर में गाना गा रही थी। तभी उसके पास से एक किसान कीड़ों से भरा एक संदूक ले करके गुजरा। चिड़िया ने उस किसान को रोक कर पूछा - भाई तुम्हारे संदूक के अंदर क्या है और अभी तुम कहां जा रहे हो? किसान ने चिड़िया से कहा- इस संदूक में कीड़े हैं और वह बाजार से उन कीड़ों के बदले पंख खरीदेगा। इतना कहकर किसान बाजार की तरफ बढ़ने लगा। चिड़िया ने किसान का रास्ता रोकते हुए अनुरोध किया - पंख तो मेरे पास भी हैं। मुझे कीड़े तलाशने के लिये बहुत सफर करना पड़ता है, तुम मेरा एक पंख ले लो और बदले में मुझे कीड़े दे दो। इससे मुझे कीड़ों की तलाश के लिये बाहर नहीं जाना पड़ेगा। किसान ने चिड़िया को कीड़े दे दिए और ने बदले में उसका एक पंख तोड़कर ले लिया। उसके बाद रोज यही सिलसिला चलता रहा, और एक दिन ऐसा भी आया, जब उसके पास देने के लिए एक भी पंख नहीं बचा। वह उड़कर कीड़े तलाशने लायक भी नहीं रह गई थी। वह भद्दी भी दिखाने लगी, उसने अब गाना भी छोड़ दिखा। भोजन की तलाश करते-करते जल्दी ही वह मर गई।

कहानी से शिक्षा- दोस्तों यही बातें हमारी जिंदगी में भी लागू होती है। कई बार हम ऐसा रास्ता चुनते हैं जो हमें शुरूआती दौर में बहुत आसान लगता है पर वही रास्ता हमें आगे चलकर मुश्किल में डाल देता है। चिड़िया को भोजन हासिल करने का तरीका बहुत आसान लगा लेकिन आगे चलकर वही मुश्किल और नुकसानदेह तरीका साबित हुआ। लाइफ में ऐसा कोई भी शॉर्टकट नहीं है जो आपको तुरंत सफल बना दे अच्छा होगा कि आप लालच में न फंसे और आसान रास्ता रूपी सबसे खतरनाक रास्ते में अपने कदम न बढ़ाएं।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

लाभ के अवसर टलेंगे। विवाद न करें। कार्य निर्णय बहुत शांति से विचार करके करना ही शुभ है। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें। रुका धन मिलेगा। व्यर्थ भागदौड़ होगी।

वृषभ

सुख के साधन जुटेंगे। प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे।

मिथुन

फालतू खर्च होगा। अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। विवाद न करें। आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है। व्यापार में नए अनुबंध होंगे।

कर्क

भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। आपकी मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति आपके जीवन में आनंद का संचार करेगी। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

सिंह

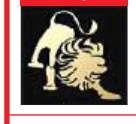

संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। रोजगार के क्षेत्र में उन्नति होगी। कुसंगति से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें।

कन्या

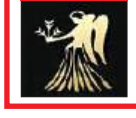

वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। लाभ होगा। उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा।

तुला

घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें। काम के प्रति दृढ़ता से कार्य में अनुकूल सफलता मिल सकेगी। पारिवारिक सुख व धन बढ़ेगा।

वृश्चिक

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। समाज के कामों में उत्साहपूर्वक भाग लेंगे।

धनु

ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी। जीवनसाथी की भावनाओं को समझें। आर्थिक निवेश लाभकारी रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है। आय में कमी रहेगी।

मकर

जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। परोपकार करके मानसिक सुख अर्जित करेंगे। व्यापारिक स्थिति आशाजनक रहेगी।

कुम्भ

व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन गतिविधियां लाभकारी रहेंगी। व्यापार में नई योजनाओं का प्रारंभ होगा। पराक्रम के प्रति निष्क्रियता के कारण मन अप्रसन्न रहेगा।

मीन

घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। रोजगार की चिंता रह सकती है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। मानसिक दृढ़ता से निर्णय लेकर कार्य करना चाहिए। व्यापार में लाभकारी परिवर्तन होंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

इंडस्ट्री में सबसे युवा दिखने पर निराश हैं ईशान खट्टर

इन दिनों अपनी वेब सीरीज द परफेक्ट कपल को लेकर ईशान खट्टर काफी चर्चा में हैं। इसमें उन्होंने निकोल किडमैन, डकोटा फैनिंग और ईव हेवसन के साथ काम किया है। अब हाल ही में, अभिनेता ने बताया कि इंडस्ट्री में उन्हें सबसे ज्यादा किस चीज से जूझना पड़ता है। यही नहीं, उन्होंने यह भी बताया कि है कि उन्हें सबसे ज्यादा किस चीज को लेकर फीडबैक मिला है। आइए जानते हैं। ईशान खट्टर भले ही सिर्फ कुछ फिल्में ही कर चुके हों, लेकिन उन्होंने बड़े पर्दे, ओटीटी और हॉलीवुड दोनों पर अपने प्रोजेक्ट्स की वजह से इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना ली है। धड़क (2018) में जान्हवी कपूर के साथ हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने वाले इस अभिनेता ने पिप्पा, ए सूटेबल बॉय और कई प्रोजेक्ट्स में काम किया। हालांकि, इंडस्ट्री में करीब छह साल रहने के बाद भी, अभिनेता अभी भी एक बड़ी कमी से जूझ रहे हैं और वह है कि बहुत कम उम्र का दिखना। हाल ही में, अभिनेता ने कहा, मुझे जो सबसे लगातार फीडबैक मिला है, वह यह है कि मैं बहुत कम उम्र का दिखता हूं। उन्होंने आगे कहा, जब मैंने शुरुआत की थी तब मैं 21 साल का था। अभिनेता ने आगे बताया कि लंबे समय से मुझे यही फीडबैक मिल रहा है कि मैं बहुत यंग दिखता हूं। अच्छा हो या बुरा, हम यहां युवा चेहरों और युवा अभिनेताओं के लिए बहुत ज्यादा भूमिकाएं नहीं लिखते हैं। इसलिए, मैं बहुत भाग्यशाली था कि मुझे दो-तीन सालों में ही कुछ अच्छे कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला है। अपने करियर के बारे में बात करते हुए, ईशान ने कहा, मैंने कभी भी बहुत ज्यादा प्लान नहीं बनाए हैं। मैं काफी हद तक भाग्यशाली भी रहा हूं और मुझे ऐसे अवसर मिले हैं। मैं अपने करियर में केवल छह साल ही रहा हूं और मुझे शानदार अवसर मिले हैं। मैंने हमेशा अपने काम को अलग-अलग तरह से करने का प्रयास किया है।

जल्द सैफ अली के साथ स्क्रीन साझा करेंगी करीना कपूर खान

बॉलीवुड | मसाला

करीना कपूर, जिन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में 25 साल पूरे कर लिए हैं। इन दिनों अभिनेत्री अपनी हालिया रिलीज फिल्म द बकिंघम मर्डर्स को लेकर भी काफी चर्चा में चल रही हैं। अभिनेत्री की फिल्म को दर्शकों और आलोचकों की अच्छी खासी प्रतिक्रिया मिली है। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का प्रदर्शन कुछ खास नहीं नजर आ रहा है। अब हाल ही में, करीना ने पति सैफ अली खान के साथ काम करने के बारे में खुलकर बात की है।

हाल ही में, मीडिया से बातचीत के दौरान करीना से पूछा गया कि क्या वह जल्द ही सैफ के साथ काम करेंगी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अभिनेत्री ने कहा, उम्मीद है कि जल्द ही। करीना ने आगे कहा, मैं उनके साथ काम करना पसंद करूंगी। अभी वह पहली बार तेलुगू फिल्म देवरा में काम कर रहे हैं, जो अगले सप्ताह रिलीज हो रही है। लोग इसके लिए काफी उत्साहित हैं। इसलिए मैं जल्द ही उनके साथ कुछ करना पसंद करूंगी।

हालांकि, इन सब के बीच रेडिट पर हाल ही में एक पोस्ट में बताया गया कि यह करीना और सैफ की जोड़ी प्रभास की स्पिरिट की कास्ट में शामिल हो गई है। इसमें बताया गया कि करीना प्रभास की प्रेमिका की भूमिका निभाएंगी, जबकि सैफ फिल्म में खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक आधिकारिक तौर पर कुछ भी घोषणा नहीं की है।

करीना और सैफ ने ओमकारा, एजेंट विनोद, कुर्बान और टशन जैसी फिल्मों में साथ में स्क्रीन स्पेस साझा किया है। इस बीच, वर्कफ्रंट की बात करें तो करीना को आखिरी बार द बकिंघम मर्डर्स में देखा गया था। फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के अलावा, उन्होंने एकता कपूर के साथ मिलकर इसे प्रोड्यूस भी किया है।

इस फिल्म में करीना एक ब्रिटिश-भारतीय जासूस के रूप में नजर आ रही हैं, जिसे 10 साल के बच्चे की हत्या की गुत्थी सुलझाने का काम सौंपा गया है। हंसल मेहता द्वारा निर्देशित यह फिल्म 13 सितंबर को बड़े पर्दे पर रिलीज हुई है।

रजनीकांत की फिल्म कुली से नागार्जुन का खतरनाक लुक लीक, फैंस में बढ़ा उत्साह

लोकेश कनगराज के जरिए निर्देशित सुपरस्टार रजनीकांत की अगली फिल्म कुली की शूटिंग फिलहाल चल रही है। हालांकि, सेट से एक वीडियो लीक हो गया है और सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हो रहा है। वीडियो में नागार्जुन को ऐसे खतरनाक अवतार में दिखाया गया है जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। नई क्लिप फिल्म में उनके निगेटिव किरदार की पुष्टि कर रही है।

नए वायरल वीडियो में फैक्टरी श्रमिकों के एक बड़े समूह को एक निश्चित दिशा में भागते हुए दिखाया गया है। हम नागार्जुन के किरदार साइमन की भी एक झलक देखते हैं, जो एक सफेद सूट पहने हुए हैं। हालांकि, लोकेश कनगराज की फिल्म में उनके किरदार के प्रतिपक्षी होने के बारे में काफी अटकलें लगाई गई हैं और यह नई क्लिप अफवाहों की पुष्टि करती दिख रही है।

वीडियो में नागार्जुन के किरदार को एक आदमी को कॉलर से पकड़कर, घुटनों के बल बिठाते दिखाया गया है, क्योंकि वह उन्हें बार-बार हथौड़े से मारने से पहले डॉयलॉग्स के साथ धमकी देता है। नागार्जुन के इस हिंसक और खतरनाक चित्रण ने नेटिजन्स को उत्सुक कर दिया है, जो अब यह देखने के लिए और भी अधिक उत्साहित हैं कि लोकेश कनगराज ने अपने अगले गैंगस्टर ड्रामा को कैसे गढ़ा है। हालांकि, लीक हुए वीडियो की कुछ प्रशंसकों ने आलोचना भी की है, जो इस बात से नाराज हैं कि सेट से इतना दिलचस्प सीन किसी अंदरूनी सूत्र के जरिए लीक किया गया है। एक्स पर कुछ यूजर्स ने प्रोडक्शन हाउस सन पिक्चर्स से लीक को रोकने के बारे में अधिक सावधान रहने का आग्रह किया है, क्योंकि वे फिल्म के आसपास की प्रत्याशा को खराब करते हैं।

इससे पहले अभिनेता के जन्मदिन पर गैंगस्टर ड्रामा से साइमन के रूप में नागार्जुन का पोस्टर जारी किया गया था। कुली में रजनीकांत और नागार्जुन के अलावा उपेंद्र, सत्यराज, श्रुति हासन और सौबिन भी मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म के साल 2025 में रिलीज होने की संभावना है।

अजब-गजब | पश्चिमी अफ्रीका की इस जनजाति में है अजीब परंपरा

इस जनजाति में दूसरों की बीवियां चुराते हैं लोग

दुनियाभर में कई ऐसी जनजातियां हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। ये जनजातियां अपने आप में किसी रहस्य से कम नहीं हैं। इनके समाज का अपना एक अलग ही कायदा और कानून होता है। शादियों को लेकर भी इन जनजातियों में अलग-अलग परंपराओं को निभाया जाता है। किसी जनजाति में मर्दानगी साबित करने के लिए खतरनाक चीटिंयों से खुद कटवाना पड़ता है, तो किसी ट्राइब की महिलाएं शादी से पहले ही अपने पसंदीदा पुरुष से सुहागरात मना लेती हैं। ऐसी ही एक रहस्यमय जनजाति का नाम वोदाबे ट्राइब है, जो पश्चिमी अफ्रीका में रहती हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस जनजाति के लोगों में एक-दूसरे की बीवियों को चुराने की अजीबोगरीब परंपरा है। लेकिन उसके पहले एक काम करना होता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वोडाबे ट्राइब के लोग बहुविवाही होते हैं और उनके विवाह दो प्रकार के होते हैं। पहली पारंपरिक रूप से आयोजित विवाह और दूसरी अपनी पसंद से की गई शादी। इस तरह पहली बार इस जनजाति में घर-परिवार के लोग मिलकर अपने बच्चों की पहली शादी करवाते हैं। लेकिन किसी कारणवश अगर कोई दूसरी शादी करना चाहता है तो इसका तरीका थोड़ा अलग है। सामान्य तौर पर हमारे समाज में दूसरी शादी भी किसी पहचान वाली लड़की से करा दी जाती है,

लेकिन इस जनजाति में ऐसा नहीं होता है। सिर्फ पहली शादी का जिम्मा ही घरवाले उठाते हैं, दूसरी शादी के लिए मर्दों को किसी दूसरे की बीवी को चुराना पड़ता है। अगर कोई मर्द दूसरों की बीवियों को नहीं चुरा सकता है तो उसकी दूसरी शादी नहीं करवाई जाती है।

पश्चिमी अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में जानवर चराने वालों और व्यापारियों की ये खानाबदोश जनजाति अपने विस्तृत परिधान और सांस्कृतिक समारोहों के लिए जानी जाती है। दूसरी शादी के लिए भी इनके यहां त्योहार का आयोजन किया जाता है, जिसका नाम गेरेवोल फेस्टिवल है। इसी फेस्टिवल में दूसरी शादी के लिए बेताब मर्द दूसरों की बीवियों को चुराकर ले जाते हैं। लेकिन दूसरों की बीवी की चोरी इतनी आसान भी नहीं होती। इसके पहले उन्हें एक काम करना होता है, जिसके तहत दूसरी शादी करने वाले मर्द सज-धज कर अपने चेहरे रंग लेते हैं। इसके बाद डांस और तरह-तरह के क्रिया-कलापों से दूसरे की बीवियों को रिझाने की कोशिश करते हैं। साथ ही यह ध्यान रखते हैं कि उन महिलाओं के पतियों को इसकी जानकारी न हो। ऐसे में अगर महिला को दूसरा पुरुष पंसद आ जाता है, तो वह उसके साथ भाग जाती है। बाद में उस समुदाय के लोग दोनों को ढूंढकर शादी करा देते हैं। इस दूसरी शादी को लव मैरिज के तौर पर स्वीकार कर लिया जाता है।

क्या आप जानते हैं आखिरकार कितनी ऊंचाई तक उड़ सकता है हवाई जहाज?

एक समय था, जब हवाई जहाज में बैठकर सफर करना एक लग्जरी लाइफ मानी जाती थी और ये हर किसी के बस की बात नहीं होती थी। हालांकि वक्त बदला और अब लोगों की कमाने की क्षमता बढ़ने के साथ-साथ खर्च करने के तरीके भी बदले हैं। लोग ट्रेन के साथ-साथ हवाई सफर भी करने लगे हैं। अब उन्हें इसके बारे में जानकारी भी ज्यादा होती है लेकिन कुछ सवाल ऐसे हैं, जिस पर हमारा ध्यान यूं नहीं जाता। आजकल लोगों के पास समय की कमी है, ऐसे में वे वक्त बचाने के लिए ट्रेन से ज्यादा हवाई जहाज से सफर करने को प्राथमिकता देते हैं। प्लेन में बैठे हुए आप जब बादलों के ऊपर उड़ रहे होंगे, तो कभी न कभी ये ख्याल आया होगा है कि ये प्लेन कितनी ऊंचाई तक उड़ सकता है? चलिए इसका जवाब आज जानते हैं। वैसे तो हवाई जहाज की उड़ान काफी कुछ इस बात पर निर्भर करती है कि एयरक्रॉफ्ट कौन सा है। एक पैसेंजर एयरक्रॉफ्ट आमतौर पर 10-20 हजार फीट नहीं बल्कि 30-35 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ता है।

aviex.goflexair.com के मुताबिक बोइंग से लेकर एयरबस के अलग-अलग मॉडल्स के पास सर्विस सीलिंग 41,000 से 43,000 फीट तक की होती है, लेकिन ये हवा में 30,000 से 35,000 फीट तक की ऊंचाई पर उड़ान भरते हैं। वहीं प्राइवेट जेट की बात करें तो ज्यादातर एयरक्रॉफ्ट की सर्विस सीलिंग 51,000 फीट तक होती है और वे 45,000 फीट तक ऊंचाई पर उड़ान भरते हैं। एक प्लेन की उड़ान कितनी हो सकती है, ये उसके रूट पर भी निर्भर करता है। शॉर्ट हॉल फ्लाइट्स 25-35,000 फीट की ऊंचाई तक उड़ते हैं जबकि लॉन्ग हॉल वाली फ्लाइट्स 35-40,000 फीट तक उड़ते हैं। इसकी वजह ये है कि विमान जितना ऊंचा उड़ेगा, हवा उतनी पतली होगी और हल्के होने पर विमान का ईंधन कम लगेगा। एविएशन अथॉरिटीज हर प्लेन को स्पेसिफिक ऑल्टीट्यूड रेंज के लिए सर्टिफिकेट देते हैं। मिलिट्री एयरक्रॉफ्ट की बात करें तो ये 50,000 से 70,000 फीट से भी ऊंचा उड़ सकते हैं, जो उनके मिशन पर निर्भर करता है।

उपचुनावों के लिए मायावती ने कसी कमर

पार्टी पदाधिकारियों को दिए जमीन पर उतरने के निर्देश

» कहा- जनहित व जनकल्याण के उठाएं मुद्दे

» कांग्रेस और भाजपा ने एससी -एसटी वर्ग के आरक्षण को बना दिया निष्प्रभावी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों के लिए पूरी ताकत से जुटी हैं और लगातार बैठकें कर रही हैं। इसी क्रम में मायावती ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित पार्टी प्रदेश कार्यालय में सभी पदाधिकारियों, जिला अध्यक्षों आदि की एक विशेष बैठक की।

इस बैठक में बसपा चीफ ने 11 अगस्त को हुई अहम बैठक में पार्टी संगठन की मजबूती व पार्टी के जनाधार को सर्वसमाज में हर स्तर पर बढ़ाने के लिए दिए गए जरूरी दिशा-निर्देशों की प्रगति रिपोर्ट ली। आगे की जरूरत के हिसाब से संगठन में भी जरूरी फेरबदल किए। मायावती ने प्रदेश के ताजा राजनीतिक हालात की समीक्षा में पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि जनहित व जनकल्याण आदि के ज्वलन्त मुद्दों को उठाएं। बसपा चीफ ने कहा कि जातिवादी, साम्प्रदायिक व जाति बिरादरी पर आधारित संकीर्ण राजनीति करते रहने की वजह से बीजेपी के विरुद्ध जन विश्वास के अभाव के फलस्वरूप बसपा को काफी मुस्तैदी से अपनी पैठ जनता में जमाने की जरूरत है ताकि इसका लाभ विधानसभा की 10 सीटों पर होने वाले उपचुनाव में भी मिल सके।

ईमानदारी से काम करें कार्यकर्ता

यूपी में होने वाले विधानसभा उपचुनावों में पार्टी के बेहतर रिजल्ट के संबंध में पार्टी की तैयारियों की गहन समीक्षा करते हुए बसपा चीफ ने कहा कि अगर पार्टी के लोगों ने यहीं जमीनी स्तर पर पूरी ईमानदारी, निष्ठा व मिशनरी भावना से अपना कार्य लगातार जारी रखा तो यूपी के ऐसे गंभीर हालात का भरपूर लाभ बीएसपी को यहीं तत्काल प्रभाव से अवश्य मिल सकता है। मायावती अब बसपा को मजबूत बनाने के लिए पार्टी संस्थापक कांशीराम के नुस्खे का इस्तेमाल करने की तैयारी में जुट गईं है। जिसके तहत बसपा सालों बाद कांशीराम की पुण्यतिथि पर लखनऊ में 9 अक्टूबर को एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित करेगी जिसमें हर विधानसभा से लोगों को लाने का लक्ष्य रखा गया है।

ओबीसी के प्रति षड्यंत्र रचा जा रहा

इसके अलावा मायावती ने कहा कि सोचने वाली बात यह है कि जिस प्रकार से कांग्रेस व भाजपा द्वारा एससी/एसटी वर्ग के आरक्षण को धीरे-धीरे निष्क्रिय व निष्प्रभावी बना दिया गया है व सरकार में उनके आरक्षित पदों को नहीं भरा जाता है, उसी प्रकार का षड्यंत्र ओबीसी वर्गों के प्रति भी अपनाया जा रहा है, जिसको रोकने के प्रति संगठित प्रयास जरूरी है। 2027 को ध्यान में रखते हुए बसपा सुप्रीमो 2007 वाले अपने पुराने फॉर्मूले पर वापस लौटने का विचार कर रहीं है। जिसके लिए वह बसपा संगठन में बामसेफ का पुर्नगठन करने पर विचार कर रही है। जिसमें आकाश आनंद की भूमिका बेहद अहम बानी जा रही है। हर जिले में अब पहले की तरह मुस्लिम और ब्राह्मण भाई चारा कमेटियां बनाई जाएंगी। पार्टी सतीश मिश्रा और मुनकाद अली की भूमिका भी बढ़ाई जाएगी।

महाराष्ट्र में तैयार हुआ एक और गठबंधन

» संभाजी छत्रपति राजे और राजू शेट्टी व बच्चू कडू ने बनाया परिवर्तन महाशक्ति गठबंधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति और विपक्षी महाविकास अघाडी गठबंधन के विकल्प के रूप में पूर्व सांसद संभाजी छत्रपति राजे और राजू शेट्टी के साथ-साथ निर्दलीय विधायक बच्चू कडू ने प्रदेश में एक और गठबंधन परिवर्तन महाशक्ति के गठन की घोषणा की। पूर्व राज्यसभा सांसद संभाजी राजे ने कहा कि महाराष्ट्र के लोग बेचैन हैं और बदलाव चाहते हैं।

संभाजी राजे ने कहा कि लोग दो एनसीपी और दो शिवसेना की उपस्थिति से भ्रमित हैं। दो गुट सत्ता में हैं और दो विपक्ष में हैं। इसलिए हमने परिवर्तन महाशक्ति बनाई है। उन्होंने कहा कि 26 सितंबर को इसकी पहली सार्वजनिक बैठक होगी। शिवसेना और एनसीपी जून 2022 और जुलाई 2023 में विभाजित हो गई। उन्होंने कहा कि मराठा कोटा कार्यकर्ता मनोज जरांगे और वंचित बहुजन अघाड़ी के नेता प्रकाश आंबेडकर को भी नए मोर्चे में शामिल होना चाहिए। पूर्व राज्यसभा सांसद ने आगे कहा कि उन्होंने जरांगे पाटिल से मुलाकात की है और उनके साथ राजनीतिक चर्चा की है। मैंने उनसे कहा कि हमारे उद्देश्य समान हैं। किसी की हार सुनिश्चित करने के बजाय हमें चुनावों में अपने उम्मीदवारों को जिताने की दिशा में काम करना चाहिए, ताकि वह विधानसभा में लोगों की चिंताओं को उठा सकें। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है कि जरांगे हमारे साथ जुड़ेंगे। अगर प्रकाश आंबेडकर और मनोज जरांगे भी तीसरे गठबंधन में साथ आते हैं तो ये गठबंधन पश्चिमी महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में बड़ी ताकत बन सकता है।

भाजपा को आप से सीखना चाहिए राजनीति कैसे होती है : संदीप पाठक

» आम आदमी पार्टी ने बीजेपी के घोषणा पत्र को बताया इवेंट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हरियाणा विस चुनाव को लेकर बीजेपी ने अपना घोषणापत्र जारी कर दिया। इसमें पार्टी ने 20 बड़े वादे किए। इस पर आम आदमी पार्टी ने निशाना साधा है। आप के महासचिव और सांसद संदीप पाठक ने कहा कि बीजेपी को आप से सीखना चाहिए कि राजनीति कैसे होती है, मुद्दे क्या होते हैं।

सीखने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन घोषणापत्र के वादों को पूरा करने के लिए दो चीजों की जरूरत होती है, एक नियत और दूसरी काबिलियत। ये नियत और काबिलियत कहां से लाएंगे। पाठक ने आगे कहा कि आज से पहले बीजेपी ने जो वादे किए थे, उनमें से कितने आपने पूरे किए। बीजेपी के लिए शायद ये मैनिफेस्टो लॉन्च एक दिन का इवेंट होता है लेकिन आप के लिए ये शपथ पत्र होता है। केजरीवाल की गारंटी ये है कि हमें चाहे कुछ भी हो जाए लेकिन हम अपनी गारंटी पूरी करके रहते हैं। जेपी नड्डा ने 5 अक्टूबर को होने वाले हरियाणा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी किया, जिसमें एमएसपी पर 24 फसलें खरीदने और राज्य के हर अग्निवीर को सरकारी नौकरी देने का वादा किया गया है।

कांग्रेस विधायक को जहर खाने की सलाह

» एआईएमआईएम के बिहार प्रमुख ने जनसंख्या नियंत्रण पर दिए बयान पर इजहारुल हुसैन को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। एआईएमआईएम विधायक व प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने कांग्रेस विधायक इजहारुल हुसैन को जहर खाने की सलाह दी है। उन्होंने कहा की कांग्रेस विधायक खुद छह भाई हैं और उनके भी तीन बच्चे हैं। इसके बावजूद एक बच्चा पैदा करने की सलाह लोगों को दे रहे हैं। उन्हें जहर खा लेना चाहिए।

दरअसल, बीते दिनों कांग्रेस विधायक इजहारुल हुसैन ने जनसंख्या नियंत्रण कानून का समर्थन करते हुए कहा था कि अब समय आ गया है कि 'हम दो हमारे दो नहीं, बल्कि हम दो

हमारे एक' होना चाहिए। जिसके बाद किशनगंज स्थित एआईएमआईएम कार्यालय में पार्टी के जिला स्तरीय बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए अख्तरुल ईमान ने कहा कि अमेरिका में महिलाएं सात सात बच्चे पैदा करती हैं। एआईएमआईएम नेता ने आगे प्रदेश की एनडीए सरकार और सीएम नीतीश कु मार पर भी हमला बोला। उन्होंने प्रदेश के नवादा में दलितों के घर फूंक देने की घटना को लेकर नीतीश सरकार की निंदा की। इस पर कड़ा एक्शन लेने की मांग भी की। इस दौरान एआईएमआईएम ने बिहार चुनावों को देखते हुए प्रदेश में अपनी तैयारियों पर जोर देना शुरू कर दिया है।

बिहार में मुद्दा ही मुद्दा है

एआईएमआईएम विधायक ने आगे कहा कि इससे किसी को कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन विधायक जो खुद छह भाई हैं। उनके भी तीन बच्चे हैं, लेकिन नासमझी में इस तरह का बयान देते हैं उन्हें जहर खा लेना चाहिए। वहीं अख्तरूल ईमान ने विपक्षियों पर जमकर तंज कसते हुए कहा कि बिहार में मुद्दा ही मुद्दा है। न रोजगार का श्रोत है, पलायन आज तक रुका नहीं है, बेटियों पर जुल्म हो रहा है, दलितों के घर जलाए जा रहे है, कब्रिस्तानों पर नाजायज कब्जे हो रहे हैं। विधायक अख्तरूल ईमान ने आगे कहा कि बिहार के सीमांचल में नदियों पर पुल नहीं है। परीक्षा में पेपर लीक हो जाता है। बिहार में एक अच्छा हॉस्पिटल नहीं है, जहां सीएम अपना ईलाज करा सकें। वो भी बीमार पड़ने पर प्राइवेट अस्पताल जाते हैं।

अश्विन-जडेजा के बाद गेंदबाजों ने बांग्लादेश को चटाई धूल

» 376 रनों पर सिमटी भारत की पहली पारी

» जडेजा शतक से चूके अश्विन ने खेली 113 रनों की पारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में बांग्लादेश के साथ खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में भारत की पहली पारी 376 रनों पर सिमट गई है। पहले दिन भारत ने 6 विकेट के नुकसान पर 339 रन बनाए थे। वहीं दूसरे दिन बांग्लादेशी गेंदबाजों ने अगले 37 रन के अंदर बाकी चार विकेट झटक कर भारत को 400 रन का आंकड़ा पार करने से रोक दिया।

पहले दिन नाबाद लौटे रवींद्र जडेजा अपने शतक से चूक गए और 86 रनों के स्कोर पर आउट हो गए। वहीं टीम के संकटमोचक बनकर उभरे रविचंद्रन अश्विन जब 113 के स्कोर पर आउट हुए तो पूरे स्टेडियम ने उनके सम्मान में तालियां बजाईं। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की आधी टीम खबर लिखे जाने तक पवेलियन लौट चुकी है। गेंदबाजी में भारत के लिए ट्रंप कार्ड साबित होने वाली अश्विन-जडेजा की जोड़ी इस बार बल्लेबाजी में टीम इंडिया के लिए संकटमोचक साबित हुई। एक समय 144 रन पर 6 विकेट गंवा चुकी थे। तभी अश्विन-जडेजा ने टीम की नैय्या को पार लगाया। इसके बाद अश्विन और जडेजा के बीच 199 रन की पार्टनरशिप की बदौलत इंडिया ड्राइविंग सीट पर आ गई।

टीम इंडिया के लिए जब 200 रन भी मुश्किल लग रहे

बांग्लादेश की आधी पारी सिमटी

भारत की पारी सिमटने के बाद जब बांग्लादेश की टीम बल्लेबाजी करने उतरी तो उसकी शुरूआत अच्छी नहीं रही। उसके शुरुआती 5 विकेट 40 रनों पर गिर गए थे। बांग्लादेश को पारी के पहले ही ओवर में जसप्रीत बुमराह ने झटका दिया। बुमराह की गेंद शादमान इस्लाम (2) छोड़ना चाह रहे थे, लेकिन गेंद अंदर की तरफ आई और वह क्लीन बोल्ड हो गए। इसके बाद आकाश दीप का जादू शुरू हुआ। उन्होंने बांग्लादेशी पारी के नौवें ओवर में लगातार 2 गेंदों पर दो विकेट झटके। एक समय आकाशदीप हैट्रिक लेने की स्थिति में थे, पर मुशिफकुर रहीम ने इसे रोक दिया।

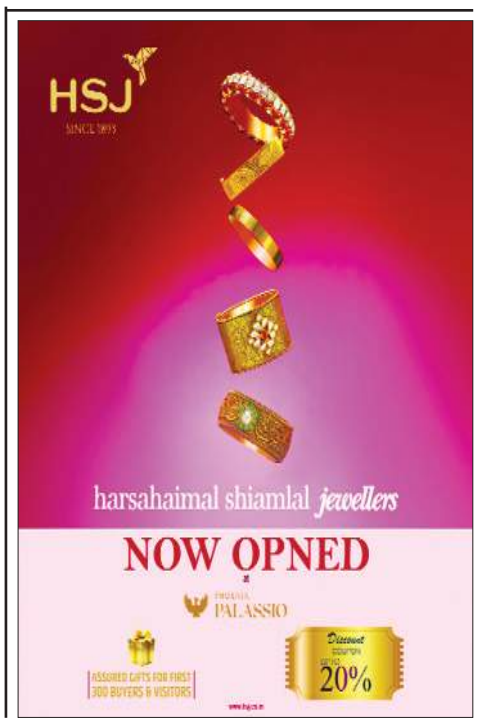

एमवीए में मुख्यमंत्री पद को लेकर मची मच-मच

संजय राउत बोले- कांग्रेस को मुख्यमंत्री पद पर दावा नहीं करना चाहिए, हमारी वजह से बढ़ीं कांग्रेस की सीटें

कांग्रेस नेता बालासाहेब थोराट ने सीएम की कुर्सी को लेकर किया था दावा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी (एमवीए) में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर घमासान जारी है। इस बीच सीएम चेहरे के तौर पर दावेदार माने जा रहे उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) ने कांग्रेस को करारा जवाब दिया है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को सीधे मुख्यमंत्री पद का दावा नहीं करना चाहिए, सीटों का बंटवारा अभी बाकी है।

संजय राउत ने कहा कि हमारी वजह से कांग्रेस की सीटें बढ़ी हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ऐसा कोई निर्णय नहीं लेंगे। साथ ही राउत ने कहा कि सभी छोटे सहयोगी दलों को एमवीए में शामिल करने का प्रयास करना होगा।

हम हर सीट पर करते हैं चर्चा

शिवसेना यूबीटी सांसद राउत ने आगे कहा कि आज भी महाविकास अघाड़ी की सीट शेयरिंग को लेकर बैठक है, हम हर सीट पर चर्चा करते हैं, जो सीट जीतेगा हम उस पर विचार करते हैं। जाहिर है कि महाराष्ट्र में नवंबर में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। यहां एमवीए का मुकाबला बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी गठबंधन से है।

शरद पवार की पार्टी पहले ही स्थिति कर चुकी है साफ

एमवीए में शामिल शरद पवार की पार्टी एनसीपी (एसपी) पहले ही साफ कर चुकी है कि मुख्यमंत्री पर फैसला विधानसभा चुनाव के बाद होगा। वहीं शिवसेना (यूबीटी) महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को चुनाव में चेहरा के तौर पर आगे कर चुनाव लड़ने के पक्ष में है। हालांकि, सार्वजनिक तौर पर शिवसेना (यूबीटी) यह कहती रही है कि विधानसभा चुनाव जीतना मकसद है सीएम कौन होगा ये फैसला जीत के आधार पर कर लिया जाएगा।

थोराट ने किया था ये दावा

इससे पहले महाराष्ट्र कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बालासाहेब थोराट ने सीएम की कुर्सी को लेकर दावा किया था। महाराष्ट्र के भायंदर में कोंकण क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए थोराट ने कहा कि उन्हें महाविकास अघाड़ी की जीत के लिए एकजुट होकर काम करने की जरूरत है। मुझे 100 प्रतिशत भरोसा है कि राज्य का अगला सीएम एमवीए और कांग्रेस से होगा। वे स्थानीय निकाय चुनाव और नगरनिगम चुनाव के लिए भी तैयार रहें।

पुलिस कस्टडी में महिला से यौन उत्पीड़न मामले में हो न्यायिक जांच: पटनायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री व बिजू जनता दल के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने पुलिस कस्टडी में एक महिला से यौन उत्पीड़न मामले में न्यायिक जांच की मांग की। विधानसभा में विपक्ष के नेता पटनायक ने इस घटना की निंदा की। उन्होंने कहा कि यह घटना राज्य में भाजपा सरकार की अक्षमता को दर्शाती है।

बता दें कि ओडिशा पुलिस ने भुवनेश्वर के भरतपुर पुलिस स्टेशन में सैन्य अधिकारी से दुर्व्यवहार और उनकी महिला मित्र से यौन उत्पीड़न के मामले पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया।

ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक ने कहा कि सभी ने सुना कि हाल ही में एक सैन्य अधिकारी और उनकी मंगेतर के साथ पुलिस स्टेशन में क्या हुआ। यह बहुत ही चौंकाने वाली खबर है। हम इस मामले में न्यायिक जांच की मांग करते हैं और जल्द से जल्द कार्रवाई होनी चाहिए।

'केजरीवाल को चुनें वर्ना यूपी जैसी होगी दिल्ली की हालत'

मनोनीत सीएम आतिशी ने कहा- केजरीवाल को सीएम बनाएंगे तभी मिलेगी सस्ती बिजली, भाजपा का बिजली का मॉडल है लंबे बिजली कट और महंगी बिजली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की मनोनीत मुख्यमंत्री आतिशी ने बिजली की कीमतों को लेकर भाजपा पर हमला बोला है। आतिशी ने कहा कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश में 1 किलोवाट कनेक्शन के दाम 250 प्रतिशत और 5 किलोवाट कनेक्शन के दाम 118 प्रतिशत बढ़ा दिए हैं। ये वही उत्तर प्रदेश सरकार है जिसने गर्मियों में 8 घंटे बिजली कटौती की थी।

आतिशी ने आगे कहा कि भाजपा का बिजली का मॉडल है- लंबे बिजली कट और महंगी बिजली, इसीलिए दिल्ली की जनता के लिए बहुत जरूरी है कि वो अरविंद केजरीवाल को दोबारा चुनकर दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाए, वरना जो स्थिति आज हम उत्तर प्रदेश में देख रहे हैं, वही स्थिति दिल्ली में भी होगी।

चुनाव में अरविंद केजरीवाल को ही दें वोट, तभी मिलेगी 24 घंटे बिजली

दिल्ली की मनोनीत मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि मैं आज दिल्ली वालों से कहना चाहती हूं कि जब फरवरी में चुनाव होंगे तब आम आदमी पार्टी की सरकार बनाकर अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनाएं तभी दिल्ली में 24 घंटे बिजली और सबसे सस्ती बिजली आएगी। आने वाले 4 महीने में जब तक मेरे पास मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी है, मैं दिल्ली की जनता की सुरक्षा करने की पूरी कोशिश करूंगी।

यूपी के लोगों को मंहगी बिजली के बाद भी झेलनी पड़ती है कटौती

आतिशी ने कहा कि भाजपा की उत्तर प्रदेश सरकार ने बिजली कनेक्शन के दाम बढ़ा दिए हैं। पहले 1 किलोवाट के कनेक्शन के लिए जहां 1200 रुपए दिए जाते थे, अब उसके लिए 3000 रुपए देने होंगे। वहीं, 5 किलोवाट के कनेक्शन के लिए 7967 रुपए देने होते थे, अब इसी कनेक्शन के लिए 17365 रुपए देने होंगे।

यूपी के लोगों को इतनी महंगी बिजली मिलती है, लेकिन इसके बावजूद इस साल गर्मियों में उन्हें 8-8 घंटे के पावर कट झेलने पड़े। इसलिए, दिल्ली के लोगों को एक बार फिर अरविंद केजरीवाल को चुनकर मुख्यमंत्री बनाना है, ताकि दिल्लीवाले 24 घंटे और सबसे सस्ती बिजली की सुविधा का लाभ ले सकें।

दिल्ली में मिलती है सबसे सस्ती बिजली

आतिशी ने कहा कि दिल्ली में 37 लाख परिवारों का बिजली बिल जीरो आता है। 15 लाख परिवारों को बिजली आधे दाम पर मिलती है। अगर इसे बीजेपी शासित अन्य राज्यों से तुलना करें, तो दिल्ली में सबसे सस्ती बिजली मिलती है। दिल्ली में 400 यूनिट बिजली का बिल 980 रुपए आता है। वहीं, गुजरात के अहमदाबाद में 2044 रुपए, हरियाणा के गुरुग्राम में 2300 रुपए, उत्तर प्रदेश में 2900 रुपए, मध्य प्रदेश में 3800 रुपए और महाराष्ट्र में 4460 रुपए बिजली का बिल आता है। अब जब दिल्ली में विधानसभा चुनाव हों, तो सभी दिल्लीवाले एक बार फिर से आम आदमी पार्टी की सरकार और अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनाएं।

लंबित नियुक्तियों पर केंद्र को 'सुप्रीम' फटकार

अदालत ने पूछा- सिफारिश के बाद भी क्यों नहीं हुई जजों की नियुक्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने लंबित न्यायिक नियुक्तियों पर केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र को निर्देश दिया है कि वह कॉलेजियम द्वारा अनुशंसित लंबित न्यायिक नियुक्तियों की संख्या और स्थिति के साथ-साथ देरी के कारणों की जानकारी उपलब्ध कराए। यह निर्देश मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए हैं।

इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ कर रही है। जिसमें न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम कोई सर्च कमेटी (न्यायाधीशों के लिए) नहीं है, जिसकी सिफारिशों को रोका जा सके।

नामों की सूची उपलब्ध कराएं: अटॉर्नी जनरल

पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल (एजी) आर. वेंकटरमणी से कहा कि वे कॉलेजियम द्वारा दिए गए नामों की सूची उपलब्ध कराएं और बताएं कि वे क्यों लंबित हैं और किस स्तर पर हैं? सीजेआई ने कहा कि अगर आप कृपया कॉलेजियम द्वारा दिए गए नामों की सूची बना सकते हैं और बता सकते हैं कि यह क्यों लंबित है और किस स्तर पर लंबित है। हमें बताएं कि यह क्यों लंबित है। पीठ ने कहा कि कुछ नियुक्तियां अभी प्रक्रिया में हैं और हमें उम्मीद है कि वह बहुत जल्दी हो जाएगी। इसके बाद अटॉर्नी जनरल द्वारा स्थगन के अनुरोध को ध्यान में रखते हुए, इस जनहित याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी।

एडवोकेट हर्ष विभोर सिंघल ने डाली है याचिका

सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका एडवोकेट हर्ष विभोर सिंघल की ओर से डाली गई थी। वकील हर्ष विभोर सिंघल ने अपनी याचिका में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की ओर से सिफारिश किए जाने के बाद जजों की नियुक्ति को अधिसूचित करने के लिए एक निश्चित समय सीमा तय करने का निर्देश देने का आग्रह किया था। ताकि अगर नियुक्ति नहीं की जा रही है तो एक समय सीमा के भीतर ही सुप्रीम कोर्ट को तथ्यों के साथ इसके पीछे की वजह बताई जाए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।